मॉड्यूल 8: वैश्विक महामारी के दौरान बाल संरक्षण

सत्र 1: वैश्विक महामारी और बाल संरक्षण के मुद्दे

अवधि: 3:37 मिनट

ऊपर दी गई कहानी में हमने देखा कि एक अपरिचित से ऑनलाईन दोस्ती बनाने के कारण काजल तस्कारी का शिकार हुई। टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रयोग, विशेष तः लॉकडाउन के दौरान, बच्चों से ऑनलाईन दुर्व्यवहार का जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए ऑनलाईन सुरक्षा बाल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।
बच्चों तथा उनके माता–पिता का संवेदीकरण करना, खास तौर से ऑनलाईन सुरक्षा के विषय पर आवश्यक है।
प्रत्येक स्तर पर बाल संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ बनाना

ऐसे पांच स्वर्णिम नियम है जिनके बारे में, बच्चों को, ऑनलाईन सुरक्षित रहने के लिए संवेदित किया जाना चाहिए।

- आप जिस व्यक्ति से बात करने में सहज नहीं महसूस करते उसे ब्लॉक कर दें।
- अपरिचितों के दोस्ती के प्रस्ताव स्वीकार न करें।
- अगर कोई ई–मेल संदेहास्पद दिखता है तो सबसे अच्छा यही है कि उसे डिलीट कर दें या जंक के रूप में मार्क कर दें
- पासवर्ड सार्वजनिक नहीं होते; अपना पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें।
- किसी सार्वजनिक कम्प्यूटर को इस्तेमाल करने के बाद लॉग आउट करना न भूलें।

आईए अब यह वीडियो देखें जो बच्चों को कोविड–19 के दौरान सुरक्षित रखने के लिए यूनिसेफ द्वारा कार्रवाई करने के आह्वान से संबंधित है।